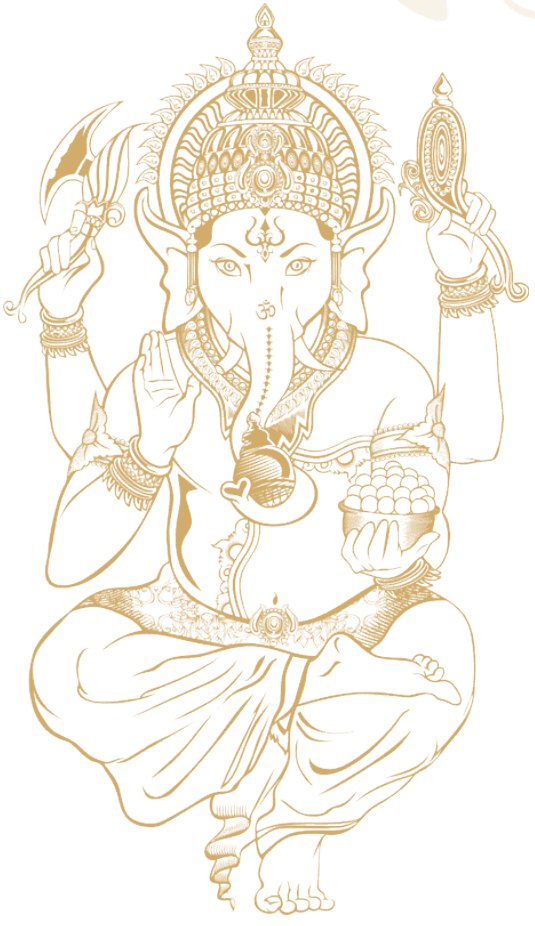

Pratik Sinha

Vidya Srivastava

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119749010

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/10/1991	जन्म तिथि	11/04/1997
शुक्रवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 18:44:00	जन्म समय	05:56:00 घंटे
घटी 32:25:51	जन्म समय(घटी)	01:03:09 घटी
India	देश	India
Hajipur	स्थान	Arakkonam
25:41:00 उत्तर	अक्षांश	13:05:00 उत्तर
85:13:00 पूर्व	रेखांश	79:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:52	स्थानिक संस्कार	-00:13:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:39	सूर्योदय	06:04:33
17:27:09	सूर्यास्त	18:25:51
23:44:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 12वर्ष 5मा 0दि	19:57:37	मेष	लग्न	मीन	24:02:29	चन्द्र 6वर्ष 11मा 13दि
केतु	23:58:50	कन्या	सूर्य	मीन	27:20:52	राहु
12/03/2021	07:57:11	वृश्चि	चंद्र	वृष	14:03:49	25/03/2011
12/03/2028	02:43:12	तुला	मंगल व	सिंह	24:43:57	24/03/2029
केतु 08/08/2021	29:39:42	कन्या	बुध	मेष	14:59:22	राहु 05/12/2013
शुक्र 08/10/2022	12:09:47	सिंह	गुरु	मक	22:53:40	गुरु 30/04/2016
सूर्य 13/02/2023	09:37:27	सिंह	शुक्र	मीन	29:30:44	शनि 07/03/2019
चन्द्र 14/09/2023	06:28:52	मक	शनि	मीन	17:49:03	बुध 23/09/2021
मंगल 10/02/2024	20:03:02	धनु व	राहु व	कन्या	04:44:40	केतु 11/10/2022
राहु 28/02/2025	20:03:02	मिथु व	केतु व	मीन	04:44:40	शुक्र 11/10/2025
गुरु 04/02/2026	16:17:53	धनु	हर्ष	मक	14:25:46	सूर्य 05/09/2026
शनि 15/03/2027	20:18:23	धनु	नेप	मक	06:01:07	चन्द्र 06/03/2028
बुध 12/03/2028	25:16:55	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:44	मंगल 24/03/2029

लग्न-चलित

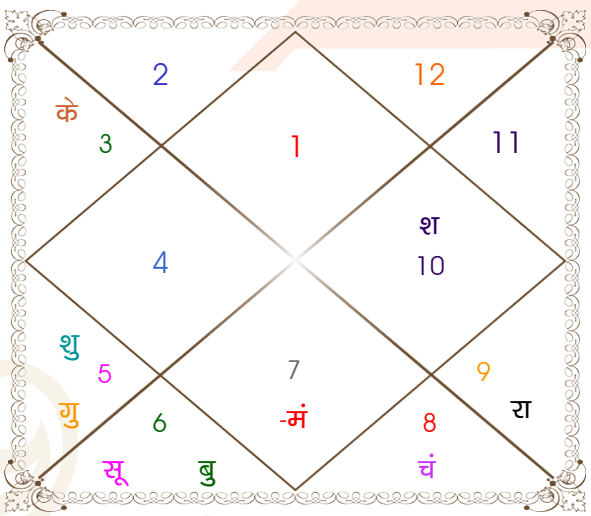

लग्न-चलित

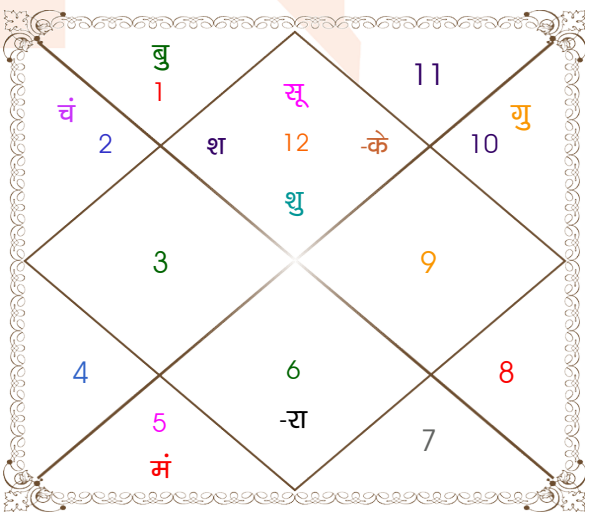

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Pratik Sinha का वर्ग सर्प है तथा Vidya Srivastava का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pratik Sinha और Vidya Srivastava का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pratik Sinha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Vidya Srivastava मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Vidya Srivastava कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Vidya Srivastava कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pratik Sinha तथा Vidya Srivastava में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।